



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 137] नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 30, 1995/चैत्र 9, 1917
No. 137] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 30, 1995/CHAITRA 9, 1917

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1995

सा.का.नि. 301(अ).—चाय नियम, 1954 का और संशोधन करने के लिए कतिपय सियमों का प्रारूप, चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) की धारा 49 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (1) में, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सा.का.नि. 723(अ), तारीख 27 सितंबर, 1994 द्वारा प्रकाशित किया गया था, जिसमें ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, आक्षेप या सुभाव, उस तारीख से, जिसको राजपत्र, जिसमें उक्त

अधिसूचना प्रकाशित की गई थी, जनता को उपलब्ध करा दी गई थी, पैंतालीस दिन की अवधि के भीतर मांगे गए थे;

और उक्त राजपत्र 25 अक्तूबर, 1994 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था; और केन्द्रीय सरकार को जनता से कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए थे;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, चाय अधिनियम, 1953 की धारा 49 की उपधारा (2) के खंड (ट) के साथ गठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम चाय संशोधन नियम, 1995 है।

2. चाय नियम, 1954 में, नियम 35 के उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(2) (क) बोर्ड द्वारा सम्यक् रूप से अंगीकृत संपरीक्षित लेखा और वार्षिक रिपोर्ट उस वित्तीय वर्ष के, जिससे लेखा और रिपोर्ट संबंधित है, समाप्त होने की तारीख से छह माह की अवधि के भीतर सरकार को प्रस्तुत की जाएगी।

(ख) यदि लेखा रिपोर्ट को अंतिम रूप देने में विलंब होने की प्रत्याशा है, तो बोर्ड, कम से कम एक मास पहले तीन मास से अधिक समय बढ़ाने के लिए सरकार से निवेदन कर सकता है।”

[फा. सं. टी-54012/4/93-प्लान्ट-ए]

जे. के. बागची, अपर सचिव

पाद टिप्पणी: मूलनियम भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की दिनांक 25 मार्च, 1954 की अधिसूचना सं. एस आर ओ 1026 के अनुसार प्रकाशित किए गए थे।

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th March, 1995

G.S.R. 301(E).—Whereas a draft of certain rules further to amend the Tea Rules, 1954 was published as required by sub-section (1) of section 49 of the Tea Act, 1953 (29 of 1953), in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (i), vide notification of the Government of India, in the Ministry of Commerce bearing G.S.R. 723(E), dated 27th September, 1994, inviting objections or suggestions from all the persons likely to be affected thereby, within a period of forty-five days from the date on which the Official Gazette in which the said notification was published were made available to the public;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 25th October, 1994;

And whereas no objections or suggestions were received from the public by the Central Government ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (k) of sub-section (2) of section 49 of the Tea Act, 1953, the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. These Rules may be called the Tea Amendment Rules, 1995.

2. In the Tea Rules, 1954, for Sub-rule (2) of Rule 35, the following shall be substituted, namely :—

“(2) (a) The audited accounts and annual report duly adopted by the Board shall be submitted to the Government within a period of six months from the date of close of the financial year to which the accounts and report pertain.

(b) In case any delay is anticipated in finalisation of the Accounts Report, the Board may approach the Government at least a month in advance for extension of time not exceeding three months.”

[F. No. T-54012/4/93-Plant-A]

J. K. BAGCHI, Addl. Secy.

Foot Note :—The principal rules were published as per the Government of India, Ministry of Commerce and Industry Notification No. S.R.O. 1026 dated the 25th March, 1954.

